

लखनऊ, गाज़ियाबाद, प्रयागराज में कूड़े से बनेगी सीएनजी

चर्चा में क्यों?

17 अक्टूबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ नगर आयुक्त इंद्रजीत सहि ने बताया कि इंदौर की तरज़ पर प्रदेश के तीन शहरों- लखनऊ, गाज़ियाबाद, प्रयागराज में कूड़े से सीएनजी निर्माण के प्लांट लगाए जाने के आदेश जारी कर दिये गए हैं।

प्रमुख बंदि

- वदिति है कि इंदौर की तरज़ पर उत्तर प्रदेश के भी 4 शहरों में गीले कचरे से सीएनजी बनाने की तैयारी है। कूड़े से सीएनजी बनाए जाने की मंजूरी के बाद लखनऊ, गाज़ियाबाद, प्रयागराज में पीपीपी मॉडल पर सीएनजी प्लांट लगाए जाएंगे, जबकि गोरखपुर भी कतार में है।
- इनमें रोज़ाना 34000 किलो सीएनजी बनेगी तथा इसे बनाने में रोज़ाना करीब 1000 टन कचरा इस्तेमाल होगा। इससे 3.65 लाख मीटरकिक टन कचरा कूड़ा नसितारण प्लांट में जाने से बचेगा।
- लखनऊ और गाज़ियाबाद में एक ही कंपनी एवर इनवायरो रसिोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कूड़े से सीएनजी बनाएगी, जबकि प्रयागराज में इंडो इनवायरो इंटीग्रेटेड सोल्यूशन लिमिटेड कंपनी को ज़मिमेदारी दी गई है। इन कंपनियों को खुद अपने खर्चे पर प्लांट लगाना होगा। नगर नगिम की तरफ से इन्हें कोई भी आर्थिक मदद नहीं दी जाएगी।
- लखनऊ तथा गाज़ियाबाद नगर नगिम कंपनी को एक रुपए की लीज़ पर 12-12 एकड़ ज़मीन देंगे, जबकि प्रयागराज और गोरखपुर नगर नगिम को 10-10 एकड़ ज़मीन देना होगा। इस ज़मीन के बदले नगर नगिम को रॉयल्टी भी मल्लिगी। सीएनजी बनाने वाली कंपनी लखनऊ और गाज़ियाबाद को प्रतविर्ष 74-74 लाख तथा प्रयागराज और गोरखपुर नगर नगिम को 56-56 लाख रुपए रॉयल्टी देगी।
- कूड़े से सीएनजी बनाने का प्लांट लगने के बाद इन चारों शहरों में रोज़ाना 2.50 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड तथा ग्रीनहाउस गैसेज़ कम होंगी।
- लखनऊ तथा गाज़ियाबाद के लिये सीएनजी बनाने में 300-300 टन गीले कचरे का इस्तेमाल कयिा जाएगा, जबकि प्रयागराज और गोरखपुर के प्लांट में 200-200 टन कचरा रोज़ाना इस्तेमाल होगा। इस तरह चारों शहरों में रोज़ाना 1000 टन कचरे से 34000 किलो सीएनजी बनेगी।
- शासन की कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज ने बताया कि जनि सथानों पर सीएनजी प्लांट लगाए जाएंगे, वहाँ आने-जाने का रास्ता नगर नगिमों को बनाना होगा तथा इसके साथ ही बजिली, पानी, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, जल नकिसी तथा सीवर की सुवधि भी नगर नगिम को देनी होगी, जसिसे प्लांटों में प्रतयक्ष व अप्रतयक्ष रूप से 8000 लोगों को रोज़गार भी मल्लिगा।
- सीएनजी प्लांट से जो जैवकि खाद उत्पन्न होगी, उसे कसिानों को दयिा जाएगा, जसि गंगा व राज्य की अन्य नदियों के कनारे खेती के लिये इस्तेमाल कयिा जाएगा। इससे रासायनकि खाद का प्रयोग कम होगा और मटिटी की उर्वराशक्ति बढ़ेगी। साथ ही नदी के पानी में रासायनकि उर्वरकों का मशिरण भी रुकेगा।